खबरों में रहे स्टॉक

रैम्को सीमेंट्स

8 मेगावॉट क्षमता वाली डब्ल्यूएचआर प्रणाली की शुरुआत

₹ 1,086.9 पिछला बंद भाव
₹ 1,090.2 आज का बंद भाव
0.3 % ▲

टीवीएस मोटर कंपनी

देश का सबसे तेज हाइपर स्पोर्ट स्कूटर एनटॉर्क 150 पेश किया

₹ 3,400.1 पिछला बंद भाव
₹ 3,432.9 आज का बंद भाव
1.0 % ▲

ली ट्रैवेन्यूज टेक्नॉलजी

17 एसआरटी सेवाओं की पेशकश वाली एसआरटीसी साझेदारी का विस्तार

₹ 285.0 पिछला बंद भाव
₹ 285.6 आज का बंद भाव
0.2 % ▲

ऐक्सिकेड्स टेक्नॉलजीज

वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े हाइपरस्केलर्स से हासिल किए ठेके

₹ 1,368.8 पिछला बंद भाव
₹ 1,374.7 आज का बंद भाव
0.4 % ▲

सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया

नागपुर की चंकदोह इकाई में विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत, कई कर्मचारी घायल

₹ 14,294.2 पिछला बंद भाव
₹ 14,058.8 आज का बंद भाव
-1.6 % ▼

बाजार पर नहीं जीएसटी सुधार का खास असर

30 शेयरों वाला सेंसेक्स केवल 150 अंक की बढ़त के साथ हुआ बंद, एनएसई का निफ्टी-50 भी रहा सपाट

बीएस संवाददाता
मुंबई, 4 सितंबर

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में दो दरों के प्रावधान की खुशी बाजार में अधिक देर तक टिक नहीं सकी। तेल अन्वेषण सेवाओं पर सबसे अधिक जीएसटी लगने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स कारोबार के दौरान दर्ज बढ़त गंवा बैठा। बीएसई का सेंसेक्स कारोबार के दौरान लगभग 889 अंक (1.1 प्रतिशत) तक उछलने के बाद केवल 150 अंक (0.2 प्रतिशत) की बढ़त दर्ज कर 80,718 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी केवल 19 अंक (0.08 प्रतिशत) बढ़ कर 24,734 पर बंद हुआ। बाजार पूंजीकरण 1.5 लाख करोड़ रुपये फिसल कर 451 लाख करोड़ रुपये रह गया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को दोपहिया वाहनों, उपभोक्ता वस्तुओं, एयर कंडीशनर और कैंसर की दवाओं सहित अन्य वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की। इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने अधिकांश वस्तुओं के लिए 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-दर संरचना को मंजूरी दी, जो आमागी 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएगी। हालांकि, 'अत्यधिक महंगी' और 'हानिकारक' वस्तुओं जैसे सिगरेट, एक निश्चित इंजन क्षमता से अधिक कारों और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों पर 40 प्रतिशत की दर लागू रहेगी।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने कहा, 'पिछले 2-3 वर्षों में कमजोर उपभोग का जिम्मेदार आंशिक रूप से जिंसों की कीमत आधारित मूल्य सीएजीआर को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। जीएसटी दर में कटौती से मुद्रास्फीति में कमी से यह दिक्कत दूर हो जाएगी। इसके अलावा जिंसों की कीमतों में कमी, अच्छी वर्षा, शहरी खपत के लिए अनुकूल आधार, व्यक्तिगत आयकर में कमी और नए वेतन आयोग के गठन से अगले 12-15 महीनों में एफएमसीजी खपत बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, जीएसटी में बदलाव से बाजार कारोबार की शुरुआत में उछला था बाद में उसका जज्बा कमजोर पड़ गया।

कारोबार के दौरान बाजार 889 अंक तक उछल गया था, विशेषज्ञों के अनुसार कंपनियों की सुस्त आय, अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चिंताएं बाजार पर हावी

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेस के वेल्थ मैनेजमेंट के रिसर्च हेड सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'बाजार कंपनियों की सुस्त आय, अमेरिकी शुल्कों से जुड़ी चिंता और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) द्वारा बिकवाली के दबाव से जूझ रहा है। जीएसटी में कमी का प्रभाव तीसरी तिमाही की आय में दिखाई देगा।'

निवेशकों की नजरें इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति घोषणा के नतीजे और भविष्य में भारत पर लगे शुल्क हटाने की संभावनाओं पर टिकी रहेंगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार में व्यापक नजरिया कमजोर ही कहा जा सकता है। निकट भविष्य में मानक सूचकांक में गिरावट से इनकार नहीं किया जा सकता है। एफपीआई 106 करोड़ रुपये के शुद्ध बिकवाली की जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,233 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

जीएसटी दरें उम्मीद से बेहतर पर बाजार में दिख चुका असर

पुनीत वाधवा
नई दिल्ली, 4 सितंबर

विश्लेषकों का मानना है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बुधवार को की गई कटौती उम्मीद से बेहतर है। लेकिन शेयर बाजारों में इस फैसले से पहले ही इसका सकारात्मक असर दिख चुका था। दर कटौती का उत्साह खत्म होते ही बाजार की नजर अब भारतीय कॉरपोरेट आय और अमेरिकी टैरिफ पर केंद्रित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि अहम बात यह होगी कि कंपनियां जीएसटी की घटी दरों का फायदा ग्राहकों तक कितना जल्द पहुंचाती हैं।

अगर इस कदम पर सही से अमल किया गया तो इससे बाजार धारणा और उपभोक्ताओं के खर्च दोनों में सुधार आ सकता है। कोटक महिंद्रा एएमसी के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह का कहना है कि जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने से आने वाली तिमाहियों में अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव कम होगा। जीएसटी परिषद ने बुधवार को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो-स्तरीय कर व्यवस्था को मंजूरी दे दी और कथित 'नुकसानदेह' वस्तुओं पर कर बढ़ा दिया।

बर्नस्टीन के विश्लेषकों ने कहा कि दरों में कटौती, खासकर रोजमर्रा की उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) पर उनकी सोच से कहीं ज्यादा है। शैम्पू, हेयर ऑयल, टूथपेस्ट और साबुन जैसी दैनिक जरूरत वाली वस्तुओं पर जीएसटी की दर 18 से घटाकर 5 प्रतिशत करना स्पष्ट रूप से सकारात्मक आश्चर्य है क्योंकि इन श्रेणियों में दरें ऊंची रहने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी शून्य करने से इसके दायरे में सुधार होगा।

बर्नस्टीन के विश्लेषकों ने कहा कि शुरुआती स्तर की मोटरसाइकल जैसी 'ज्यादा पैठ' वाली श्रेणियों में अपेक्षाकृत धीमी मांग देखी जा सकती है जबकि एयर कंडीशनर जैसे विवेकाधीन सामान में बड़ी मात्रा में वृद्धि हो सकती है।

बर्नस्टीन के प्रबंध निदेशक और भारत में अनुसंधान प्रमुख वेणुगोपाल गैरे ने निखिल अरेला के साथ मिलकर लिखे एक नोट में कहा, 'उपभोक्ता शेयरों में पहले से ही मूल्यांकन महंगा लग रहा है, हम संपूर्ण उपभोक्ता क्षेत्र की संरचनात्मक बहु-वर्षीय पुनः रेटिंग के बजाय आय की गति से संचालित संबंधित शेयरों में निरंतर संभावित वृद्धि देख रहे हैं।' गुरुवार को निफ्टी ऑटो और निफ्टी एफएमसीजी सूचकांकों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इनमें इंट्राडे सौदों में करीब 1.6 और 1.1 प्रतिशत की तेजी आई।

इक्विटी एमएफ में निवेश ऊंचे स्तरों पर

अभिषेक कुमार
मुंबई, 4 सितंबर

अगस्त में एमएफ ने निवेश बढ़ा दिया जिससे शुद्ध खरीदारी 70,500 करोड़ रुपये तक पहुंची

इक्विटी म्युचुअल फंडों में निवेश अगस्त में भी ऊंचे स्तर पर बना रहा। इससे पहले जुलाई में इक्विटी म्युचुअल फंडों में 42,702 करोड़ रुपये आए थे। म्युचुअल फंड प्रबंधकों द्वारा सेकंडरी बाजार में ताबड़तोड़ खरीदारी के बाद जुलाई निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

अगस्त में एमएफ ने इक्विटी फंडों में निवेश बढ़ा दिया जिससे शुद्ध खरीदारी 70,500 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो किसी महीने होने वाला दूसरा सबसे अधिक निवेश है। इससे पहले केवल अक्टूबर 2024 में इक्विटी निवेश 90,770 करोड़ रुपये तक पहुंचा था। यह अब तक किसी एक महीने में हुआ निवेश का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

एमएफ द्वारा शुद्ध इक्विटी फंडों में निवेश कई कारकों पर निर्भर करता है। इनमें इक्विटी (पैसिव सहित) और हाइब्रिड योजनाओं में रकम का आना-जाना, हाइब्रिड योजनाओं में इक्विटी आवंटन में बदलाव और नकद हिस्सेदारी में परिवर्तन आदि शामिल हैं।

एमएफ इक्विटी में अगस्त में हुआ जमकर निवेश बाजार में गिरावट के बीच हुआ है। निफ्टी 50 इंडेक्स जुलाई में लगभग 3 प्रतिशत फिसल गया था और अगस्त में 1.4 प्रतिशत निचले स्तर पर बंद हुआ।

जुलाई में एमएफ प्रवाह में तेजी छह महीने तक निवेश की गति सुस्त रहने के बाद आई है। यह तेजी एकमुश्त प्रवाह और नई फंड पेशकश (एनएफओ) संग्रह में सुधार के बाद आई है। सकल एकमुश्त निवेश जून में 34,300 करोड़ रुपये से बढ़कर जुलाई में 52,000 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया।

इक्विटी म्युचुअल फंडों में एकमुश्त प्रवाह मुख्य रूप से धनाढ्य लोगों और संस्थागत निवेशकों से आता है। एकमुश्त निवेश बाजार में गिरावट, मूल्यांकन के अवसरों और निवेश रणनीतियों से प्रभावित होता है। एनएफओ भी एकमुश्त निवेश का एक प्रमुख जरिया है। जुलाई में एमएफ उद्योग ने इसके जरिये रिकॉर्ड 30,416 करोड़ रुपये जुटाए थे। मगर इस का एक बड़ा हिस्सा ऋण एनएफओ में चला गया। अगस्त में भी एनएफओ आने की गति तेज बनी रही।

एमेजॉन ने पूरा किया एक्सियो का अधिग्रहण

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 4 सितंबर

ऑनलाइन खुदरा कंपनी एमेजॉन ने एक्सियो (पूर्व में कैपिटल फ्लोट) का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इससे पहले एमेजॉन को यह अधिग्रहण पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनुमति मिल गई थी। कंपनी को इससे भारत में वित्तीय सेवा क्षेत्र में मौजूदगी बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी।

ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन ने इस सौदे को भारत में अपने सबसे बड़े सौदों में से एक बताया है। कंपनी के प्लेटफॉर्म पर एक्सियो छह वर्षों से 'बाय नो पे लेटर' सुविधा दे रही थी मगर अब इस अधिग्रहण के बाद डिजिटल माध्यम से ऋण सुविधा देने वाला यह प्लेटफॉर्म एमेजॉन के नियंत्रण में आ गया है। 'बाय नो पे लेटर' सुविधा में ग्राहक समान खरीद कर रकम का भुगतान मासिक किस्तों पर करते हैं।

यह अधिग्रहण एमेजॉन को ऋण योजनाओं एवं अन्य सेवाओं में उतरने में मदद करेगा। एमेजॉन ने इस सौदे की वित्तीय शर्तों का खुलासा तो नहीं किया मगर इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि यह अधिग्रहण 20 करोड़ डॉलर में हुआ है। एक्सियो के सभी मौजूदा निवेशक सौदे की शर्तों के तहत बाहर हो गए हैं जबकि कंपनी के संस्थापक शीर्ष पर बने रह सकते हैं।

एमेजॉन में उपाध्यक्ष (भुगतान) महेंद्र नेरूरकर ने कहा, '6 भारतीयों में केवल 1 के पास चेकआउट फाइनैंसिंग की सुविधा है। इसे देखते हुए इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना एमेजॉन की प्राथमिकता है। पिछले छह वर्षों में एक्सियो के साथ हमारी साझेदारी ने हमें 1 करोड़ से अधिक ग्राहकों को क्रेडिट सुविधा उपलब्ध कराने में मदद पहुंचाई है।' नेरूरकर ने कहा कि उनकी कंपनी का मकसद इस बात के इर्द-गिर्द रहा है कि भुगतान एवं वित्तीय सेवाओं को कैसे अधिक सुविधाजनक, भरोसेमंद और फायदेमंद बनाकर लोगों का जीवन सरल बनाया जाए।

एमेजॉन की सहायक कंपनी के रूप में एक्सियो अपने मौजूदा नेतृत्व के तहत काम करना जारी रखेगी। एक्सियो के पास प्रबंधनाधीन 2,200 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। एक्सियो के सह-संस्थापक शशांक ऋष्यश्रृंगा और गौरव हिंदुजा ने कहा, 'एमेजॉन के साथ हुआ यह सौदा हमें अधिक से अधिक लोगों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के हमारे अभियान को गति देगा। ऐमजॉन की पहुंच, ग्राहक पर विशेष ध्यान देने की उसकी खूबी और उसके बहीखाते के साथ हमें अगले 10 करोड़ भारतीयों तक डिजिटल उधारी की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।'

यूएसटी ने बेन कैपिटल को बेची हेल्थप्रूफ

सूचना-प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी यूएसटी ने स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन से जुड़ी अपनी सहायक इकाई यूएसटी हेल्थप्रूफ प्राइवेट इक्विटी कंपनी बेन कैपिटल को बेच दी है। दोनों कंपनियों के बीच यह सौदा 1 अरब डॉलर से अधिक रकम में हो रहा है। यूटीएस ने तेज रफ्तार से आगे बढ़ने वाले क्षेत्रों जैसे एंटरप्राइज एआई, क्लाउड ट्रांसफॉर्मेशन और डेटा आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यूएसटी हेल्थप्रूफ का सौदा किया है।

यूएसटी ने कहा कि वह इंजीनियरिंग सहित स्वास्थ्य देखभाल, बीएफएसआई और खुदरा क्षेत्रों में अपने ग्राहकों के डिजिटल ढांचे को नया रूप दे रही है। यूटीएस हेल्थप्रूफ की बिक्री से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कंपनी प्राप्त आय का इस्तेमाल एआई सक्षम प्लेटफॉर्म और वर्टिकल सॉल्यूशन विकसित करने में करेगी। *बीएस*

टीवीएस ने उतारी पहली हाइपर स्पोर्ट स्कूटर

शाइन जेकब
चेन्नई, 4 सितंबर

चेन्नई की दोपहिया वाहन कंपनी टीवीएस मोटर कंपनी ने गुरुवार को भारत के सबसे तेज हाइपर स्पोर्ट स्कूटर टीवीएस एनटॉर्क 150 को पेश किया है। कंपनी की यह पेशकश सुदर्शन वेणु के 25 अगस्त को कंपनी का चेयरमैन का कार्यभार संभालने के बाद से दूसरी बड़ी पेशकश है। इस स्कूटर की शुरुआती कीमत 1,19,000 रुपये है।

टीवीएस मोटर कंपनी के दोपहिया भारतीय बाजार के अध्यक्ष गौरव गुप्ता ने कहा, 'देश में स्पोर्टी स्कूटरों की मांग काफी अधिक है और यह तेजी से बढ़ रहा है। हम लगभग 5,00,000 स्कूटर बेचते हैं, जिनमें से स्पोर्टी स्कूटर उद्योग हर महीने लगभग 70,000 से 80,000 यूनिट का है। पिछले दो वर्षों में दोपहिया वाहनों की वृद्धि दर 2 फीसदी रही है, स्कूटर सेगमेंट की वृद्धि दर 6 फीसदी रही है।

अभी ऊंचे एक अंक में वृद्धि की संभावना नहीं

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियां जब अपने उद्यम में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) शामिल करेंगी तब ही वे उच्च एक अंक अथवा निम्न दो अंकों में वृद्धि की गति पा सकती हैं। यह बात कॉग्निजेंट के एक शीर्ष अधिकारी ने कही है। उन्होंने कहा कि आईटी सेवा कंपनियों को वृद्धि की गति पाने के लिए अपनी तकनीकी संरचना में एआई को शामिल करना होगा और मूल्य श्रृंखला में एजेंट की तैनाती करनी होगी।

कॉग्निजेंट अमेरिका के प्रेसिडेंट सूर्या गुम्मादी ने कहा, 'जैसे ही ऐसा हो जाएगा तो बाजार उस वृद्धि दर पर लौट आएगा। मगर चाहे यह दो तिमाहियों अथवा तीन तिमाहियों के बाद हो यह कई अन्य व्यापक गतिशीलता पर निर्भरता करेगा, जिनसे आप हम निपट रहे हैं।' फिलहाल, सभी आईटी सेवा प्रदाता लागत कम करने, दक्षता बढ़ाने के लिए एआई, जेनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई का उपयोग कर रहे हैं। *बीएस*

ASIAN FERTILIZERS LIMITED

Regd. Office: Flat No. 202, "Preet Garden" 3A/172, Azad Nagar, Kanpur, 208002
Admin. office: P.W.D. Officer's Colony, Near Shara Press, Park Road, Gorakhpur, 273001
Phone: 0551-2203421, E-mail: investor@asianfertilizers.com, afl@asianfertilizers.com
CIN: L99999UP1986PLC007621, Website: www.asianfertilizers.com

NOTICE OF 40th ANNUAL GENERAL MEETING, E-VOTING & CUT OFF DATE

In view of the continuing COVID-19 pandemic, the Ministry of Corporate Affairs (MCA) has vide its General Circular No.14/2020 dated April 8, 2020, General Circular No.17/2020 dated April 13, 2020, General Circular No. 20/2020 dated May 5, 2020, General Circular No. 33/3030 dated September 28, 2020, General Circular No. 39/2020 dated December 31, 2020 and General Circular No.02/2021 dated January 13, 2021 ('**MCA Circulars**') and Circular No. SEBI/HO/CFD/CMD1/CIR/P/2020/79 dated May 12, 2020 and Circular No. SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2021/11 dated January 15, 2021 issued by the Securities and Exchange Board of India ('**SEBI Circulars**'), permitted the holding of the AGM through VC/ OAVM, without the physical presence of the Members at a common venue. In compliance with the MCA Circulars and the relevant provisions of the Companies Act, 2013, ('the Act') and SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ('SEBI Listing Regulations') and Circulars issued by SEBI, the 40th AGM of the Company is being held on Tuesday, September 30, 2025 at 03:00 PM through VC/OAVM.

Electronic copies of the Notice of AGM and Annual Report of the Company for the financial year 2024-25 have been sent to all the members whose are registered with Company or its Registrar & Share Transfer Agent (RTA) or with their respective Depository Participant in 40th AGM through the VC/OAVM facility only. The attendance of the Members attending the AGM through VC/OAVM will be counted for the purpose of reckoning the quorum under Section 103 of the Companies Act, 2013. The notice of the AGM and Annual Report will also be available on the Company's website www.asianfertilizers.com and on the website of Stock Exchange i.e. BSE limited at www.bseindia.com and also on the NSDL's website www.evoting.nsdl.com. The dispatch of notice of AGM through email has been completed on September 5, 2025.

Members holding shares as on the cut-off date i.e. September 22, 2025, cast their vote on the ordinary and special Business(es) as set out in the Notice of the 40th AGM may be transacted through electronic voting system of National Services Depository Limited (NSDL) before AGM or e voting facility at the AGM ("remote e-voting"). All the members are informed that:

1. The remote e-voting shall commence on Saturday, September 27, 2025 at 9:00 A.M.(IST)
2. The remote e-voting shall end on Monday, September 29, 2025 at 5:00 P.M.(IST)
3. Members may note that: **a)** the remote e-voting module shall be disabled by NSDL after the aforesaid date and time for voting and once the vote on resolution is cast by the member, the member shall not be allowed to change it subsequently; **b)** the facility of e voting shall be made available at the AGM and members attending the AGM who have not already cast their vote, may cast their vote electronically on business (es) set forth in the notice of AGM. Further members who have cast their vote by remote e-voting prior to the AGM may also attend the AGM but shall not be entitled to cast their vote again; and **c)** a person whose name is registered in the register of member or in the register of beneficial owner maintained by depositories as on the cut of date only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting as well as voting at the AGM.
4. Any person, who acquires shares of the Company and become member of the Company after the dispatch of Notice of AGM and holding shares as on the cut off date i.e. September 22, 2025, may obtain their user ID and password by sending a request at evoting@nsdl.co.in or afl@asianfertilizers.com .
   However, if a person is already registered with NSDL for E-voting than existing user ID and password can be used for casting vote.
5. In case of any queries, you may refer the Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders and e-voting user manual for Shareholders available at the download section of www.evoting.nsdl.com or call on toll free no.: 022 4886 7000 or contact at evoting@nsdl.co.in.
6. **SEBI vide circular no. SEBI/HO/MIRSD/DOP1/CIR/P/2018/73 dated April 20, 2018 has mandated the submission of copy of Permanent Account Number (PAN) by every participant in securities market. Therefore, members are requested to submit copy of their PAN and bank account details (original cancelled cheque leaf/ attested bank passbook showing name of account holder) to Company / RTA.**
7. **In the support of Green Initiative in Corporate Governance, members are requested to register their e-mail address(es) and changes therein from time to time, by directly sending the relevant e-mail address along with details of name, address, Folio No., shares held:**
   i) To the registrar and share transfer agent, M/s Skyline Financial Services Pvt. Ltd or Company for shares held in physical form /Demat;
   Upon registration of the email address (es), the Company proposes to send Notices, Annual Report and such other documents to those Members via electronic mode/e-mail.

For Asian Fertilizer Limited
Sd/-
Kunika Meghani
Company Secretary & Compliance Officer

Dated: 05/09/2025

तेल आपूर्ति सीमित रहने से फायदे में रहेगी रिलायंस

देव चटर्जी
मुंबई, 4 सितंबर

रिलायंस इंडस्ट्रीज को तेल शोधन (रिफाइनिंग) कारोबार से होने वाली कमाई आगे भी जारी रह सकती है। जेएम फाइनैंशियल और गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषकों के अनुसार रूस से अधिक तेल आयात और वैश्विक स्तर पर तेल आपूर्ति सीमित रहना रिलायंस के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं।

केप्लर के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले आठ महीनों में रिलायंस ने किसी भी अन्य भारतीय तेल शोधन कंपनियों के मुकाबले रूस से अधिक मात्रा में तेल का आयात किया है। अगस्त 2025 में रिलायंस ने लगभग 6,64,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल खरीदा, जो इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के 341,000 बैरल और नायरा एनर्जी के 229,000 बैरल से काफी अधिक है। भारत पेट्रोलियम ने 1,33,000 बीपीडी तेल खरीदा जबकि हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने केवल 28,000 बीपीडी तेल आयात किया। जून में रिलायंस की खरीदारी 7,46,000 बीपीडी तक पहुंच गई। इस लिहाज से रिलायंस का तेल शोधन कारोबार मजबूत हुआ है क्योंकि रूस के कच्चे तेल की कीमत आमतौर पर वैश्विक मानक से से कम होती है।

जेएम फाइनैंशियल ने कहा कि तेल से लेकर रसायन कारोबार कंपनी के मुनाफे को दम देता रहेगा मगर वैश्विक बाधाएं मार्जिन पर दबाव डालेंगी।

गोल्डमैन सैक्स के अनुसार रिलायंस की कर एवं ब्याज पूर्व आय (एबिटा) वित्त वर्ष 2025 में 2 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 16 प्रतिशत हो जाएगी, जिसमें खुदरा कारोबार और जियो के साथ रिफाइनिंग कारोबार का भी योगदान रहेगा।

रूस से अधिक मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से इसी क्षेत्र की दूसरी कंपनियों की तुलना में रिलायंस अधिक फायदे की स्थिति में दिख रही है। रिलायंस ने वित्त वर्ष 2025 में 8.5 डॉलर प्रति बैरल का सकल रिफाइनिंग मार्जिन दर्ज किया, जबकि इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल का रिफाइनिंग मार्जिन क्रमशः 4.8 डॉलर प्रति बैरल, 6.8 डॉलर प्रति बैरल और एचपीसीएल का 5.7 डॉलर प्रति बैरल रहा था । पिछले एक साल में रिलायंस का मार्जिन बीपीसीएल और एचपीसीएल के मुकाबले लगातार मजबूत रहा है जबकि इंडियन ऑयल के साथ इसका कड़ा मुकाबला चल रहा है।

अगस्त में अपनी वार्षिक बैठक में रिलायंस ने उपभोक्ता उत्पादों, खुदरा, दूरसंचार और नव ऊर्जा क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का खास तौर पर जिक्र किया। हालांकि, विश्लेषकों ने कहा कि कंपनी की वित्तीय ताकत में रिफाइनिंग कारोबार लगातार अहम बना हुआ है। जेएम फाइनैंशियल ने कहा कि रिलायंस का मार्जिन निकट भविष्य में अधिक रहेगा।

हालांकि, दोनों ब्रोकरेज कंपनियों का कहना है कि खुदरा कारोबार से कम मुनाफा, परियोजनाओं में देरी और अधिक पूंजीगत व्यय कंपनी के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं। वैश्विक स्तर पर तेल आपूर्ति सीमित रहने और रूस से कच्चे तेल पर कम लागत आने से रिलायंस इस क्षेत्र की ज्यादातर घरेलू कंपनियों से रिफाइनिंग मार्जिन हासिल करने के लिहाज से आगे रहेगी।

सेमीकंडक्टर के लिए परिवेश बनाने पर जोर

उदिशा श्रीवास्तव
नई दिल्ली, 4 सितंबर

देश में सेमीकंडक्टर उद्योग को रफ्तार देने के वास्ते स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल कंपनियां एक मजबूत और सहायक परिवेश बनाने पर जोर दे रही हैं।

सेमीकॉन इंडिया 2025 के दौरान उद्योग के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इस तरह का परिवेश बनाने से न सिर्फ घरेलू सेमीकंडक्टर परिदृश्य मजबूत होगा बल्कि देश भी वैश्विक बाजार में एक प्रतिस्पर्धी के तौर पर स्थापित होगा।

सेमीकंडक्टर कंपनी थर्ड आईटेक की संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी वृंदा कपूर ने कहा, 'चीन जैसी अर्थव्यवस्था के सामने एक चुनौती यह है कि हमारा परिवेश अभी भी काफी हद तक टुकड़ों में है। चीन में आपके पास मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम), विभिन्न सेमीकंडक्टर थे, जो आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण थे। इसके अलावा सरकारी प्रोत्साहन और वेंचर कैपिटल जैसी चीजें भी पहले से ही मौजूद थीं। आपको अगले पांच साल तक ऑर्डर बुक पता था। जैसे-जैसे ओईएम का विस्तार हुआ उनके साथ अन्य चीजें भी बढ़ती चली गईं। हमें परिवेश का कम से कम शुरुआती चरण बनाना होगा।'

कपूर की बातों से इत्तफाक रखते हुए फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नॉलजीज के मुख्य कार्य अधिकारी शाश्वत टीआर ने कहा कि देश को सिर्फ चिप ही नहीं बल्कि पूरे मॉड्यूल और सिस्टम बनाने में सक्षम होना चाहिए।

हीरो समूह की प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्यम हीरो इलेक्ट्रॉनिक्स के मुख्य कार्य अधिकारी निखिल राजपाल ने कहा कि स्टार्टअप कंपनियों को सरकारी मांग और ओईएम से प्रोत्साहन और विस्तार मिल सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें ऐसी कंपनियां बनानी होंगी जो स्थापित वैश्विक फर्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। इसलिए, उन्हें यह देखना होगा कि मांग कहां से आ रही है।'